

[Time: 2 Hours]

[Marks:60]

Please check whether you have got the right question paper.

- N.B: 1. Answer **any five** questions from question **no. 1** to question **no. 8** and question **no. 9** is **compulsory**.
2. **Marks** are indicated against **each** questions.
3. Students **answering** in regional language should refer in case of doubt to the main text of **paper** in **English**.

Q.1 "School plays a significant role in the growth and development of a child." Justify. 10

Q.2 Explain the trends in development. 10

Q.3 Elucidate the physical emotional and social characteristics of Adolescence. 10

Q.4 "Different parenting style has different impact on child development." Describe with reference to any two parenting styles. 10

Q.5 Explain Kohlberg's theory of moral development. 10

Q.6 Elaborate Bronfenbrenner's theory on Ecological System. 10

Q.7 Describe Goleman's theory of Emotional Intelligence. 10

Q.8 "Cross sectional approach facilitates the study of child development." Illustrate. 10

Q.9 Attempt briefly **any two** of the following. 10

- a) Importance of maturation
- b) Merits of clinical method
- c) Interplay of poverty and tribal communities on child development
- d) Role of self-concept in formation of self.

मराठी अनुवाद

[बळ: २ तास]

[गुण: ६०]

१. “बालकाच्या वाढ आणि विकासात शाळा महत्त्वाची भूमिका बजावते.” समर्थन करा. १०
२. विकासाचे प्रवाह स्पष्ट करा. १०
३. कुमारावस्थेची शारीरिक, भावनिक आणि सामाजिक वैशिष्ट्ये विशद करा. १०
४. “विभिन्न पालकत्व शैलींचा बाल विकासावर भिन्न परिणाम होतो.” कोणत्याही दोन पालकत्व शैलींच्या १० संदर्भात वर्णन करा.
५. कोलबर्गची नैतिक विकासाची उपपत्ति स्पष्ट करा. १०
६. ब्रॉन्फेनब्रेनरची परिस्थिती प्रणाली उपपत्ति सविस्तर लिहा. १०
७. गोलमनच्या भावनिक विकासाच्या उपपत्तीचे वर्णन करा. १०
८. “क्रॉस विभागीय उपागम बाल विकासाच्या अभ्यासाला सुसाध्य बनवतो.” सोदाहरण लिहा. १०
९. खालीलपैकी कोणत्याही दोहोंवर थोडक्यात लिहा. १०
- अ) परिपक्वतेचे महत्त्व
ब) चिकित्सक पद्धतीचे गुण
क) बाल विकासावर गरिबी आणि आदिवासी समुदायांतील परस्परक्रियेचा प्रभाव
ड) स्वःनिर्मितीत स्वःसंकल्पनेची भूमिका

हिंदी अनुवाद

[वेळ: २ तास]

[गुण: ६०]

१. बालक के वृद्धि और विकास में विद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।” समर्थन कीजिए। १०
२. विकास के प्रवाह स्पष्ट कीजिए। १०
३. किशोरावस्था के शारीरिक, संवेगात्मक सामाजिक विशेषताएँ विशद कीजिए। १०
४. “बालक के विकासपर विभिन्न अभिभावक शैलीओं का भिन्न प्रभाव होता है।” किन्हीं दों अभिभावक शैलीओं के संदर्भ में वर्णन कीजिए। १०
५. कोहलबर्ग के नैतिक विकास के उपपत्ति को स्पष्ट कीजिए। १०
६. ब्रॉन्फेनब्रेनर की पारिस्थितिकी प्रणाली उपपत्ति विस्तार में लिखिए। १०
७. गोलमन के संवेगात्मक विकास की उपपत्ति का वर्णन कीजिए। १०
८. “क्रॉस अनुविभागीय उपागम बाल विकास अभ्यास को सुगम बनाता है।” विस्तार में लिखिए। १०
९. निम्न में से किसी दो पर संक्षेप में लिखिए। १०
 - अ) पक्वता का महत्व
 - ब) चिकित्सक पद्धति के लाभ
 - क) बालविकास पर गरिबी और आदिवासी समाज का परस्पर प्रभाव
 - ड) स्वःनिर्मिती में स्व-संकल्पना की भूमिका

(2 Hours)

(Total Marks : 60)

Please check whether you have got the right question paper.

- N.B. : 1. Answer Any Five questions from Question No. 1 to Question No. 8 and Question No. 9 is compulsory.
2. Marks are indicated against each question.
3. Students answering in religious languages should refer in case of doubt to the main text of paper in English.

Q.1. What is the concept of Curriculum? Explain the Philosophical and Sociological Determinants of Curriculum. (10)

Q.2. "Education is an important tool to achieve equity and social justice". Explain with reference to Dr. B. R. Ambedkar's views. (10)

Q.3. "Participatory approach is important in curriculum construction". Justify with reference to the representation of social groups in curriculum construction. (10)

Q.4. What is the meaning of Knowledge? Explain the characteristics of Knowledge. (10)

Q.5. Explain M. K. Gandhi's Activity Method as the basis of modern child-centred education. (10)

Q.6. "Curriculum framework, syllabus and text books are interrelated". Justify with reference to their relationship. (10)

Q.7. Elaborate the teacher's role in generating dynamic curricular experiences through the following : (10)

- 1) Learning resources.
- 2) Varied learning experiences.

Q.8. Elucidate the principles of curriculum development. (10)

Q.9. Attempt briefly **any two** the following : (10)

- a) Procedural Knowledge.
- b) Educational Significance of Dialogue Method.
- c) Role of NCERT in curriculum reform.
- d) Charges in education due to democracy.

(मराठी भाषांतर)

(२ तास)

(एकूण गुण : ६०)

१. अभ्यासक्रम म्हणजे काय? अभ्यासक्रमाची तात्त्विक आणि समाजशास्त्रीय निधरिके स्पष्ट करा. (१०)
२. “समता आणि सामाजिक न्याय साध्य करण्याचे शिक्षण हे महत्त्वपूर्ण साधन होय.” डॉ. बी. आर. आंबेडकरांचे विचार वरील विधानासंदर्भात स्पष्ट करा. (१०)
३. “अभ्यासक्रम रचनेत सहभागात्मक उपागम महत्त्वपूर्ण आहे.” अभ्यासक्रमरचनेत सामाजिक गटाच्या प्रतिनिधित्वाच्या संदर्भात विधानाचे समर्थन करा. (१०)
४. ज्ञान म्हणजे काय? ज्ञानाची गुणवैशिष्ट्ये स्पष्ट करा. (१०)
५. एम. के. गांधीर्जींची कृती पद्धती ही आधुनिक बालककेंद्री शिक्षणाचा आधार आहे, हे स्पष्ट करा. (१०)
६. “अभ्यासक्रम आराखडा, पाठ्यक्रम आणि पाठ्यपुस्तके परस्परसंबंधित आहेत.” त्यांच्यातील परस्पर संबंधाच्या संदर्भात समर्थन करा. (१०)
७. गतिशील अभ्यासक्रमीय अनुभव निर्मितीत शिक्षकाची भूमिका खोलील मुद्यानुसार सविस्तर लिहा. (१०)
 - १) अध्ययन संसाधने.
 - २) वैविध्यपूर्ण अध्ययन अनुभव.
८. अभ्यासक्रम विकसनाची तत्त्वे विशद करा. (१०)
९. खालीलपैकी कोणत्याही दोहोंवर थोडक्यात लिहा :
 - अ) प्रक्रियात्मक ज्ञान.
 - ब) संवाद पद्धतीचे शैक्षणिक महत्त्व.
 - क) अभ्यासक्रम पुनररचनेत एन्सीइआरटी (NCERT) ची भूमिका.
 - ड) लोकशाहीमुळे शिक्षणात झालेले बदल.

(हिंदी अनुवाद)

(२ तास)

(एकूण गुण : ६०)

१. पाठ्यक्रम का अर्थ क्या है? पाठ्यक्रम के तात्त्विक और समाजशास्त्रीय निर्धारक स्पष्ट कीजिए। (१०)
२. “समता और सामाजिक न्याय प्राप्त करने में शिक्षा महत्वपूर्ण साधन है।” डॉ. बी. आर. आंबेडकर के विचारों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। (१०)
३. “पाठ्यक्रम रचना में सहभागी उपागम महत्वपूर्ण है।” पाठ्यक्रम रचना में सामाजिक समुह के प्रतिनिधित्व के संदर्भ में विधान का समर्थन कीजिए। (१०)
४. ज्ञान का अर्थ क्या है? ज्ञान की गुणविशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। (१०)
५. एम. के. गांधीजी की कृतिपद्धति आधुनिक बालककेंद्रि शिक्षा का आधार है, यह स्पष्ट कीजिए। (१०)
६. “पाठ्यक्रम रूपरेखा, पाठ्यचर्चा और पाठ्यपुस्तक परस्परसंबंधित है।” इनके परस्परसंबंध के संदर्भ में समर्थन कीजिए। (१०)
७. गतिशील पाठ्यक्रमीय अनुभव निर्मिती में शिक्षक की भूमिका निम्न मुद्दों के अनुसार सविस्तर लिखिए। (१०)
१) अध्ययन संसाधने।
२) वैविध्यपूर्ण अध्ययन अनुभव।
८. पाठ्यक्रम विकासन के सिद्धांत विशद कीजिए। (१०)
९. निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षेप में लिखिए। (१०)
अ) प्रक्रियात्मक ज्ञान।
ब) संवाद पद्धति का शैक्षिक महत्व।
क) पाठ्यक्रम पुनर्रचना में एन्सीईआरटी (NCERT) की भूमिका।
ड) गणतंत्र की वजहसे शिक्षा में हुए बदलाव।

[Time: 2 Hours]

[Marks: 60]

- N.B: 1. Answer **any five** questions from Q.No 1 to Q. No.8 ; Q. 9 is **Compulsory**.
2. Marks are indicated against each questions.
3. Students answering in regional language should refer in case of doubt to the main text paper in English.
1. " Family and culture have a significant role to play in the social construction of gender identity." Justify. 10
2. Elucidate the contribution of any two contemporary Indian women, who are role models for gender empowerment. 10
3. Elaborate the salient features of Prenatal Diagnostic Technique Act (1994). 10
4. " Emergence of Gender specific roles can be understood from psychological perspective." Elucidate the statement. 10
5. Explain Millennium Development Goal for promoting gender equality and empowerment. 10
6. Explain the issue of gender based work place discrimination. Suggest provisions to deal with this issue. 10
7. " Curriculum and text books help to address gender challenges." Comment. 10
8. Explain the gender biases in health and nutrition. 10
9. Attempt **any two** of the following : 10
- Concept of patriarchy.
 - Any five recommendations of National Policy for the Empowerment of Women, 2001.
 - Role of Non Governmental Organizations (NGOs) in striving towards gender equity.
 - Any five provisions of Protection of children from Sexual Offences (POCSO) Act , 2012.

(हिंदी अनुवाद)

(२ घंटे)

कुल अंक: ६०

१. “लिंगभाव पहचान की सामाजिक रचना में परिवार एवं संस्कृती की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।” समर्थन कीजिए। १०
२. लिंगभाव सशक्तीकरण के संदर्भ में कोई दो समकालीन आदर्श भारतीय नारीयों का योगदान विस्तार में लिखिए। १०
३. प्रसवपूर्व निदान तकनीक अधिनियम (१९९४) की मुख्य विशेषताएँ विस्तारपूर्वक लिखिए। १०
४. “लिंगभाव विशेष भूमिका के उदय का आकलन मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य के द्वारा होता है।” विधान विशद कीजिए। १०
५. लिंगभाव समता एवं सबलीकरण को बढ़ावा देने में सहस्राब्दी विकास लक्ष्य स्पष्ट कीजिए। १०
६. लिंगभाव पर आधारित कार्यस्थान भेदभाव की समस्या स्पष्ट कीजिए। इस समस्या को सूलझाने के लिए कुछ प्रावधान का सुझाव कीजिए। १०
७. “लिंगभाव चुनौतियाँ को संबोधित करने में पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक सहायता करते हैं।” टिप्पणी कीजिए। १०
८. स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में लिंगभाव पक्षपात स्पष्ट कीजिए। १०
९. निम्नलिखित में से किन्हींदो पर संक्षेप में लिखिए। १०
- (अ) पितृसत्ता की संकल्पना
 - (ब) नारी सशक्तीकरण की राष्ट्रीय नीति २००१ की कोई पाँच सिफारिश
 - (क) लिंगभाव समता के प्रति गैरसरकारी संगठन की भूमिका
 - (ड) यौन शोषण में बालकों का संरक्षण अधिनियम २०१२ की कोई पाँच सिफारिश
-

(मराठी रूपांतर)
(२ तास)

एकूण गुण : ६०

१. “लिंगभाव ओळखीच्या सामाजिक रचनेत कुटुंब व संस्कृती यांची महत्वाची भूमिका आहे.” समर्थन करा. १०
२. लिंगभाव सबलीकरणाबाबत आदर्श असलेल्या कोणत्याही दोन समकालीन भारतीय स्त्रियांचे योगदान सविस्तर लिहा. १०
३. प्रसूतीपूर्व निदान तंत्र अधिनियम (१९९४) ची मुख्य वैशिष्ट्ये सविस्तर लिहा. १०
४. “मानसशास्त्रीय परिप्रेक्ष्यातून लिंगभाव विशिष्ट भूमिकांच्या उगमाचे आकलन होते.” विधान विशद करा. १०
५. लिंगभाव समानता व सबलीकरण वृद्धिंगत करण्याबाबतचे सहसाब्दी विकास ध्येय स्पष्ट करा. १०
६. कार्यस्थानी होणाऱ्या लिंगभावावर आधारित भेदभावाची समस्या स्पष्ट करा. ही समस्या हाताळण्यासाठी तरतूदी सूचवा. १०
७. “लिंगभाव आव्हानास सामोरे जाण्यासाठी अभ्यासक्रम व पाठ्यपुस्तके सहाय्यक ठरतोत.” टिप्पणी करा. १०
८. स्वास्थ व पोषण या संबंधातील लिंगभाव पूर्वग्रह स्पष्ट करा. १०
९. खालीलपैकी कोणत्याही दोहँंवर थोडक्यात लिहा.
 - (अ) पितृसत्तेची संकल्पना
 - (ब) स्त्री सबलीकरणासाठी गार्ड्रीय धोरण २००१ मधील कोणत्याही पाच शिफारसी
 - (क) लिंगभाव समतेप्रती अशासकीय संघटनांची भूमिका
 - (द) लैंगिक गुन्ह्यांपासून बालकांचे संरक्षण अधिनियम २०१२ (POCSO Act) मधील पाच तरतूदी

[TURN OVER